Self Respect

May 27,2014

✓रूहानी बच्चों प्रति रूहानी बाप बैठ समझाते हैं क्योंकि यहाँ सम्मुख हैं | ऐसे नहीं कहेंगे कि सभी बच्चे अपने स्वधर्म में रहते हैं और बाप को याद करते हैं |

✓बाबा सुबह में योग में बैठ बच्चों को खींचते हैं, कशिश करते हैं | नम्बरवार खींचते जाते हैं | हमको शिवबाबा कशिश कर सारी दुनिया भुलाते हैं |

✓यह आशिक-माशूक रूहानी हैं | बातें ही न्यारी हैं, वह जिस्मानी, यह रूहानी |

✓भक्ति में अनेकों को याद करते हो | यहाँ याद करना है एक को | हम आत्मा छोटी बिन्दी हैं | तो बाबा भी छोटी बिन्दी बहुत-बहुत सूक्ष्म है | और नॉलेज है बड़ी | श्री लक्ष्मी वा नारायण बनना, विश्व का मालिक बनना कोई मासी का घर नहीं है |

✓सवेरे में बाप जास्ती कशिश करता है | चुम्बक है, एवर प्योर, तो वह खींचता है | बाप तो बेहद का है ना | समझते हैं यह तो बहुत लवली बच्चे हैं | बहुत ज़ोर से कशिश करते हैं |

✓बाप आये हैं यहाँ, हमको वर्सा देते हैं | ऊपर में नहीं हैं, यहाँ आये हैं | कहते हैं साधारण तन में आता हूँ | तुम जानते हो बाप ऊपर से नीचे आया है | चैतन्य हीरा इस डिब्बी में बैठा है |

✓इस सृष्टि चक्र के 84 जन्मों को तो कोई नहीं जानते – सिवाए तुम बच्चों के | वैराग्य भी तुमको आयेगा | तुम जानते हो अब इस मृत्युलोक में रहने का नहीं है |

✓नम्बरवार माला में पिरोने हैं | फिर नम्बरवार राजधानी में आने हैं | फिर नम्बरवार तुम्हारी भी पूजा होती है | अनेक देवताओं की पूजा होती है |

✓तुमको यह ज्ञान मिलता है | वह भी कर्मों अनुसार ही कहेंगे | शुरू से लेकर भक्ति की है तो यह अच्छे कर्म किये हैं इसलिए शिवबाबा भी अच्छी तरह बैठ समझाते हैं |

✓ बड़ी राजधानी स्थापन हो रही है, कोटों में कोई निकलेंगे |

✓ बच्चों को सदैव समझाते हैं कि शिवबाबा ही तुम्हें सुनाते हैं, कभी बीच में यह बच्चा भी बोल देते हैं | बाप तो बिल्कुल एक्यूरेट ही कहेंगे |

✓मंज़िल बड़ी भारी है 21 पीढ़ी विश्व का मालिक बनाते हैं, तो मेहनत भी करनी पड़े ना | लवली बाप को याद करना पड़े | दिल में रहता है बाबा हमको विश्व का मालिक बनाते हैं |

✓बाप की याद में आकर बैठते हैं तो प्रेम के आंसू भी आते हैं | भक्ति मार्ग में भी आंसू आते हैं | परन्तु भक्ति मार्ग अलग है, ज्ञान मार्ग अलग है | यह है सच्चे बाप के साथ सच्चा प्रेम | यहाँ की बात ही न्यारी है |

✓बाप तो सबको बच्चा समझते हैं, तब तो बच्चे-बच्चे कहते हैं | यह बाप तो सबका है, वन्डरफुल पार्ट है ना इनका | बहुत थोड़े बच्चे समझते हैं कि यह अक्षर किसके हैं | बाबा तो बच्चे-बच्चे ही कहेंगे | आया ही हूँ बच्चों को वर्सा देने |

✓यह बहुत वन्डरफुल चटपटी नॉलेज है | यह नॉलेज अटपटी और खटपटी भी है | वैकुण्ठ का मालिक बनने के लिए नॉलेज भी ऐसी चाहिए ना |

✓दिनचर्या के हर कर्म में यथार्थ और युक्तियुक्त चलने वाले पूज्य, पवित्र आत्मा भव

अच्छा!

मीठे-मीठे सिकीलधे बच्चों प्रति मात-पिता बापदादा का याद-प्यार और गुडमॉर्निंग | रूहानी बाप की रूहानी बच्चों को नमस्ते |